हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक दलों के आय का विश्लेषण

वित्तीय पारदर्शिता का महत्व

राजनीतिक दल जनता और सरकार के बीच की एक अहम कड़ी है। इसलिए यह ज़रूरी है कि वह जनता के प्रति उत्तरदायी हों। राजनीतिक दल लोकतंत्र के मुख्य स्तम्भ हैं और वह आम जनता के हित के लिए कार्य करने का प्रयास करते हैं। भारत के चुनाव आयोग के अभिलेखों के अनुसार भारत में 6 राष्ट्रीय तथा 46 मान्यता प्राप्त राज्य स्तर के राजनीतिक दल हैं। इस के अलावा भारत में 1139 गैर मान्यता प्राप्त दल है।

राजनीतिक दल विभिन्न स्त्रोतों से चन्दे के रूप में धन प्राप्त करते हैं। इस प्रकार इसकी जवाबदेही और पारदर्शिता और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह आवश्यक हो जाता है कि एक व्यापक एवं पारदर्शी लेखांकन विधि बनाई जाए जिससे राजनीतिक दलों की सही वित्तीय स्थिति प्रकट हो सके।

केन्द्रीय सूचना आयोग की आदेश संख्या CIC/AT/A/2007/01029 & 1263-1270, के अनुसार लोक प्राधिकरण (Public Authorities) (जैसे आयकर विभाग) जिनके पास राजनीति दलों के आयकर रिटर्न होते हैं, को यह निर्देश दिया गया है कि वह इस सूचना को अपीलार्थी (एडीआर) को दें। Association For Democratic Reforms (ADR) ने विभिन्न राजनीतिक दलों के आयकर रिटर्न और मूल्यांकन आदेशों की प्रतियां सूचना के अधिकार के माध्यम से प्राप्त की है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्य दलों की कुल आय (वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 तक)

- ☞ कांग्रेस, एक मुख्य राजनीतिक दल ने राष्ट्रीय दलो में से सर्वाधिक आय घोषित की है। उनकी गत 7 वित्तीय वर्षों की कुल आय रू0 2,00,871.74 लाख है।
- ☞ भाजपा ने द्वितीय उच्चतम आय दर्शाई है। उनकी गत 7 वर्षों की कुल आय 99,476.67 लाख है।
- ☞ कांग्रेस ने वित्तीय वर्ष 2007–08 से 2008–09 के बीच अपनी आय में 125 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दिखाई है। किन्तु 2009–10 और 2010–11 के बीच –34.32 प्रतिशत की कमी दर्शाई है। जबकि भाजपा ने 2008–09 और 2009–10 के बीच 77.75 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी और 2009–10 और 2010–11 के बीच –34.88 प्रतिशत की कमी दर्शाई है।
- ☞ वित्तीय वर्ष 2006–07 के लिए बहुजन समाज पार्टी द्वारा दायर आयकर रिटर्न की जानकारी प्रतीक्षित है, वित्तीय वर्ष 2006–07 को छोड़कर उनकी सभी वित्तीय वर्षो की कुल आय की गणना की गई है।
- ☞ बसपा की कुल आय रू0 1,06,222 लाख (6 वर्ष के लिए) है, सी.पी.एम. की कुल आय रू0 41,726.15 लाख और सी.पी.आई. की कुल आय रू0 843.60 लाख है।

Party	Total Income (Rs. In Lakhs)							Total (Rs. In Lakhs)
	FY- 2004-2005	FY- 2005-2006	FY- 2006-2007	FY- 2007-2008	FY- 2008-2009	FY- 2009-2010	FY- 2010-2011	
INC	22,207	12,493	16,936	22,081	49,688	46,757.87	30,708.87	2,00,871.74
BJP	10,412	3,834	8,249	12,378	22,002	25,800.75	16,800.92	99,476.67
BSP	3,658	3,714	Data Awaited	12,088	28,735	23,954.83	34,072.17	106,222.00
CPM	3,988	4,160	6,340	5,970	6,283	7,328.15	7,657	41,726.15
CPI	66	122	74	124	116	129.37	212.23	843.60

तालिका–हिमाचल प्रदेश के मुख्य दलों की कुल आय (वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 तक)

वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 तक हिमाचल प्रदेश के प्रमुख दलों की आय के शीर्ष 3 स्त्रोत

- कांग्रेस के लिए, अधिकतम आय 155377.18 लाख है, जो कि कूपनों की बिक्री से प्राप्त की गई है।
- मुख्य दलों के आय के 3 मुख्य स्त्रोतो मे से दान/योगदान (donation/contibution) एक है। भाजपा के लिए यह आय 82000.50 लाख, बसपा के लिए यह आय 30,731 लाख, कांग्रेस के लिए 27250.48 लाख, सी.पी.एम के लिए 17,546.15 लाख और सी.पी.आई के लिए यह आय 458.96 लाख है।
- ब्याज़ का संग्रह (Interest Collection) भी इन पार्टियों के आय के मुख्य स्त्रोतों में से एक है। इसके अनुसार कांग्रेस ने 10,473.33 लाख, भाजपा ने 7,527.83 लाख और सी.पी.आई ने 165.83 लाख रूप्ये कमाया है।

Party	FY 2004-05, 2005-06, 2006-07, 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11 (combined)	
	Top 3 Source of Income	Amount (Rs in Lakhs)
Indian National Congress	Sale of coupons	1,55,377.18
	Donations	27,250.48
	Interest	10,473.33
Bharatiya Janata Party	Voluntary contributions	82,000.50
	Interest	7,527.83
	Aajwan Sahayog Nidhi	6,280.64
Bahujan Samaj Party (BSP)	Contributions	30,731.00
	Membership	9,233.80
	Sale of Property	1,975.71
Communist Party of India (Marxist)	Voluntary contributions	17,546.15
	Levy	15,698.98
	Election Fund	4,834.92
Communist Party of India	Party fund, education fund, donation	458.96
	Interest	165.83
	Membership fee	109.41

तालिका– वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 में हिमाचल प्रदेश के प्रमुख दलों में आय के शीर्ष 3 स्त्रोत

वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 में हिमाचल प्रदेश के प्रमुख दलों कें व्यय (Expenditure) के शीर्ष 3 स्त्रोत

- ☞ कांग्रेस ने चुनाव व्यय के लिए सबसे ज़्यादा रू0 92,506.40 लाख खर्च किया है, इसके बाद "Aid" के लिए रू0 17,116.47 लाख किया है।
- ☞ भाजपा ने प्रचार के लिए रू0 35,720.64 लाख और बसपा ने रू0 2,855.03 लाख खर्च किया है। इसके बाद यात्रा के लिए भाजपा ने रू0 18,889.46 लाख और बसपा ने रू0 833.03 लाख खर्च किया है।
- ☞ व्यय के अन्य प्रमुख स्त्रोतों में भाजपा ने मीटिंग के लिए रू0 10,456.60 लाख और बसपा ने रू0 610.15 लाख खर्च किया है।
- ☞ सी.पी.एम का सर्वाधिक रू0 6,587.81 लाख वेतन खर्च है, इसके बाद राहत सम्मेलन के लिए रू0 4,491.91 लाख और बैठक और सम्मेलन के लिए रू0 4,477.59 लाख है।

Party	FY 2004-05, 2005-06, 2006-07, 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11 (combined)	
	Top 3 Items of Expenditure	Amount (Rs in Lakhs)
Indian National Congress	Election Expenses	92,506.40
	Aid to Other Expenses	17,116.47
	Travelling & Lodging	10,749.25
Bharatiya Janata Party	Advertising & Publicity	35,720.64
	Travelling	18,889.46
	Meeting	10,456.60
Bahujan Samaj Party (BSP)	Publicity Expenses	2,855.03
	Tours and Travels	833.03
	Organisational	610.15
Communist Party of India (Marxist)	Salaries	6,587.81
	Relief & Donation	4,491.91
	Meeting & Conference	4,477.59
Communist Party of India	Election & Publicity	151.41
	Salaries	135.51
	Travelling & conveyance	54.15

तालिका– वित्तीय वर्ष 2004–05 से 2010–11 में हिमाचल प्रदेश के प्रमुख दलों में व्यय के शीर्ष 3 स्त्रोत

राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय वक्तव्यों का खुलासा करने से संबधित मुद्दे

आयकर अधिनियम (Income Tax Act) का अनुभाग 13 (अ) स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि, राजनीतिक दलों के वित्तीय कामकाज की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। एडीआर ने सूचना के अधिकार

(आरटीआई) के माध्यम से , राजनीतिक दलों के आयकर रिर्टन संबधी सूचना एकत्र करते हुए यह पाया है कि बहुत सी राज्य स्तर की क्षेत्रीय पार्टीयों ने अपने आयकर रिर्टन नही भरे हैं।

राजनीतिक दलों को कर के भुगतान से छूट दी गई है, तथापि इस छूट को पाने के लिए उन्हे आडिटेड लेखे रखने तथा आयकर अधिनियम के प्रावधानों का पालन करना आवश्यक है। कुछ क्षेत्रीय पार्टिया इस से नियमित आधार पर चूकती रही हैं। उन्होनें खुले तौर पर आयकर अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंधन किया है। वार्षिक रिटर्न न भर कर यह इस कानून के अनिवार्य प्रावधानों का उल्लंघन है। इनमे से कई दल अपने राज्य अथवा क्षेत्र मे मुख्य क्षेत्रीय दल हैं और उनकी वित्तीय स्थिति का कुछ पता नही है।

वित्तीय सूचना के ब्यौरे के लिए सख्त प्रणाली के गठन की आवश्यकता

राजनीतिक दलों मे वित्तीय पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, वित्तीय सूचना की जानकारी देने का एक सख्त तंत्र बनाना आवश्यक है। रिर्पोटिंग ढांचे और उसकी प्रक्रिया का मानवीकरण करना चाहिए जिससे राजनीतिक दलों की सही वित्तीय स्थिति की जानकारी आम जनता को प्राप्त हो सके। आईसीएआई ने चुनाव आयोग के अनुरोध पर कुछ सिफारिशें प्रस्तावित की है। यह प्रस्ताव राजनीतिक दलों के वित्तीय विवरण की रिपोर्टिंग के ढांचे को व्यापक बनाने तथा उसके मानवीकरण से संबधित है। एडीआर के अनुसार इन प्रस्तावों को जल्द से जल्द लागू करने की अतयन्त आवश्यकता है।

Contact Details

Himachal Pradesh Election Watch (HPEW):

Mr. V.K. Malik, Himachal Pradesh Election Watch E: vinodkmalik@hotmail.com, vinodkrmalik@gmail.com M: +91 9418150001 T: 0177 - 2621262	Mr. Bhim Singh, Himachal Pradesh Election Watch E: bhimsingh1975@gmail.com M: +91 9418073190	Ms. Abha Bhaiya Himachal Pradesh Election Watch E: abhabhaiya@gmail.com M: +91 9468768872

National Election Watch/Association for Democratic Reforms:

Media and Journalist Helpline +91 80103 94248 Email: adr@adrindia.org	Mr. Anil Bairwal, National Coordinator National Election Watch, and Association for Democratic Reforms 011 4081 7601, +91 9999310100 adr@adrIndia.org, anil@adrIndia.org	Prof Jagdeep Chhokar IIM Ahmedabad (Retd.) Founder Member National Election Watch, Association for Democratic Reforms +919999620944 jchhokar@gmail.com	Prof Trilochan Sastry IIM Bangalore Founder Member, National Election Watch, Association for Democratic Reforms +919448353285, trilochans@iimb.ernet.in